7. नाट्यशास्त्र के अनुसार चतुर्विध अभिनय को स्पष्ट कीजिए।

8. चतुरस्र नाट्यमण्डप को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

9. 'बोभूतः' धातुरूप की रूपसिद्धि कीजिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. महाकवि विश्वनाथ के कालनिर्धारण की विशद समीक्षा कीजिए।

11. संकेतग्रह किसे कहते हैं ? संकेतग्रह के कारणों का वर्णन कीजिए।

12. रीति सम्प्रदाय के उद्भव एवं विकास का विशद वर्णन कीजिए।

13. नाट्योत्पत्ति विषय विविध मतों की विवेचना कीजिए।

MASA–04

June – Examination 2024

M.A. (Previous) Examination

SANSKRIT

(भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण)

Paper : MASA-04

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) साहित्यदर्पण में कुल कितने परिच्छेद हैं ?

   (ii) साहित्यदर्पण के अनुसार वाक्य का लक्षण लिखिए।

   (iii) साहित्यदर्पण के अनुसार तात्पर्यवृत्ति किसे कहते हैं ?

(iv) नाट्यवेदवृत्ति किस ग्रन्थ का नाम है ?

(v) नाट्यशास्त्र के अनुसार दैत्यों का अग्रणी कौन बना ?

(vi) वक्रोक्तिसिद्धान्त के प्रवर्तक आचार्य का नाम लिखिए।

(vii) निर्वेद किस रस का स्थायीभाव है ?

(viii) भावकत्व किसे कहते हैं ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) वाच्चोऽर्थोऽमिधया बोध्यो लक्ष्यो लक्षणया मतः।

व्यङ्ग्यो व्यञ्जनया ता स्युस्तिस्रः शब्दस्य शक्तयः॥

अथवा

(ब) यश्चाप्यास्यगतो भावो नानादृष्टि समन्वितः।

स वेश्मनः प्रकृष्टत्वाद् व्रजेदव्यक्ततां पराम्॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) सैषा सर्वत्र वक्रोक्तिरनयार्थो विभाव्यते।

यत्नोऽस्यां कविना कार्यः कोऽलङ्कारोऽनया विना॥

अथवा

(ब) नाटकं द्विपदीशम्यारासकस्कन्धकादि यत्।

उक्तं तदभिनेयार्थमुक्तोऽन्यैस्तस्य विस्तरः॥

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) चतुर्वर्गफलप्राप्तिः सुखादल्पधियामपि।

काव्यादेव यतस्तेन तत्स्वरूपं निरूप्यते॥

अथवा

(ब) गुरूपदेशादध्येतुं शास्त्रं जडधियोऽप्यलम्।

काव्यं तु जायते जातु कस्यचित्प्रतिभावतः॥

5. रुढि एवं उपादान लक्षणा में क्या अन्तर है ?

6. आचार्य अभिनवगुप्त कृत अभिव्यक्तिवाद पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।